



हनुमान गोसाई

संस्कृत



॥ दोहा ॥

बेगी हरो हनुमान महाप्रभु,
जो कछु संकट होए हमारो ।
कौन से संकट मोर गरीब को
जो तुम से नहीं जात है टारो ॥ १ ॥

हनुमान गोसाई



1





तन मे तुम्हरे शक्ति विराजे, मन भक्ति से भीना ।
जो जन तुम्हरी शरण मे आये, दुःख दरद हर लीना ॥
महावीर प्रभु हम दुखियन के तुम हो गरीब नवाज ।
जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करो महाराज ॥ २ ॥

हनुमान गोसाईं





राम लखन वैदेही तुम पर सदा रहे हर्षयि ।
हृदय चीर के सारे जग को, राम सीय दर्शाए ॥

दोऊ कर जोड़ अरज हनुमंता कहिओ प्रबु से आज ।

जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करो महाराज ॥ ३ ॥

हनुमान गोसाईं





राम भजन के तुम हो रसिया, हनुमत मंगलकारी ।
अर्चन वंदन करते तेरा दुनिया के नर नारी ॥
राम नाम जप के हनुमंता बने भगतन सरताज ।
जय जय जय हनुमान गोसाईं, कृपा करो महाराज ॥ ४ ॥

हनुमान गोसाईं





Mere Ram- मेरे राम

